आईआईएम रायपुर के फाउंडेशन डे इवेंट में शामिल हुए शाओमी इंडिया के प्रेसीडेंट मुरलीकृष्णन बी से खास बातचीत

जिंदगी मूवी जैसी नहीं, हर चीज से सीखना जरूरी : मुरलीकृष्णन

नवभारत एक्सक्लूसिव

मनोज मिश्रा। रायपुर।

आईआईएम रायपुर के फाउंडेशन इवेंट में शामिल होने पहुंचे शाओमी इंडिया के प्रेसीडेंट मुरलीकृष्णन बी. (बालासुब्रमण्यम) का कहना है कि जिन्दगी मूवी जैसी नहीं होती। कम से कम उनके साथ ऐसा नहीं हुआ कि रातों रात किसी एक घटना ने पूरी लाइफ बदल दी। उनका फंडा बिल्कुल साफ है। लाइफ में सक्सेस के लिए हर चीज से सीखना जरूरी है। हम जो सीखते हैं, उसी को यूज करके ग्रोथ करते हैं। इसलिए सीखने की प्रक्रिया को कभी बंद ना करें। वे कहते हैं, 'मैंने पेंट का डिब्बा बेचकर सीखा कि बिक्री कैसे करते हैं?' जब आईआईएम कोलकाता में पढ़ने गया, तो वहां तनाव और दबाव को झेलना सीखा। पत्नी से सीखा कि धैर्य कैसे काम आता है। लगातार सीखते रहने से उन्हें सफलता मिली।

आईआईएम रायपुर में 'नवभारत' से विशेष बातचीत में शाओमी इंडिया के प्रेसीडेंट मुरलीकृष्णन बी. ने कहा कि उनके जीवन में ऐसा कोई सिंगल मूवमेंट नहीं है कि अचानक सब कुछ बदल गया। आईआईएम कलकत्ता में उन्होंने सब्जेक्ट के बारे में पढ़ा। उन्हें मार्केटिंग के बारे में जानकारी मिली, लेकिन काम के दौरान उन्होंने सीखा कि कैसे प्रेसर को हैंडल किया जाए। >> शेष पेज 5 पर

शाओमी इंडिया के प्रेसीडेंट मुरलीकृष्णन बी. कहते हैं कि लाइफ में सक्सेस का बहुत आसान फंडा है, वो है सीखना। ये खुद प्रेसीडेंट ने अपने अनुभव से सीखा। उन्होंने कहा कि आप करियर के किसी भी स्टेज में हो। चाहे स्कूल के फर्स्ट स्टैंडर्ड में हो, या कॉलेज में ग्रेजुएशन कर रहे हो या फिर एमबीए, या नौकरी कर रहे हों। कभी भी सीखना बंद ना करें। एक बार आपने सीखना बंद कर दिया, तो ग्रोथ रूक जाएगी। उनका यूथ ही नहीं, सभी के लिए मैसेज है कि सीखते रहें और ग्रोथ करते रहें।

सक्सेस मंत्र- कभी सीखना बंद ना करें

मार्केटिंग सीखी : पेंट का डिब्बा बेचकर

मुरलीकृष्णन बताते हैं कि उनका जन्म चेन्नई में हुआ। स्कूल और इंजीनियरिंग कॉलेज की पढ़ाई हैदराबाद में हुई। 1997 में आईआईएम कलकत्ता से ग्रेजुएट होने के बाद करियर की शुरुआत एशियन पेंट्स से की। उन्हें वहां बेस्ट ट्रेनिंग ग्राउंड मिला। उन्होंने पेंट का डिब्बा बेचकर सीखा कि सेल कैसे की जाती है? ईबे और ई-कॉमर्स बिजनेस के बाद खुद की स्टार्टअप भी शुरू की। फिलहाल पिछले पांच साल से शाओमी इंडिया के साथ जुड़े हैं। पहले शाओमी इंडिया के सीओओ का पद सम्हाला और अगस्त 2022 से शाओमी इंडिया के प्रेसीडेंट के पद पर हैं। वे कहते हैं कि शाओमी इंडिया का प्रमुख और सबसे विश्वसनीय स्मार्टफोन ब्रांड है।

लाइफ चेंजिंग डिसीजन : इंटरनेट बिजनेस की ओर जाना

श्री मुरलीकृष्णन बताते हैं कि शुरू से उनकी टेक्नोलॉजी और इंटरनेट में रूचि थी। 1996 में आईआईएम कलकत्ता में पढ़ाई करते हुए देखा कि इंटरनेट के क्षेत्र में ज्यादा पोटेंशियल है। लगा कि इस क्षेत्र में ग्रोथ होगा। सन् 2000 में इंटरनेट बिजनेस की ओर मूव किया। यह मेरी जिंदगी का सबसे अहम फैसला था। इस उभरते क्षेत्र में उन्होंने बहुत ही जल्दी प्रवेश लिया। यही उनके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण डिसीजन रहा।

करियर को चुनते समय रखें ये ध्यान

शाओमी इंडिया के प्रेसीडेंट ने अपने अनुभव का जिक्र करते हुए कहा कि अगर सही करियर चुनने का फैसला करना होगा, तो उस क्षेत्र की पहचान करना जरूरी है, जिसमें आने वाले सालों में तेजी से ग्रोथ होने वाली है। कुछ ऐसा ही आभास उनको इंटरनेट बिजनेस को करियर के रूप में चुनने का फैसला करते वक्त हुआ था। अगर सही क्षेत्र को आप पहचान लेते हैं, तो उस क्षेत्र की ग्रोथ के साथ आपकी ग्रोथ भी होती है।

Oct 12, 2023. Navbharat(My City), P.01